

अथर्ववेद

काण्ड ६

सूक्त १७

अनुवाद कर्ता: सञ्जय मोहन मित्तल

Atharvaveda

Kaanda 6

Sukta 17

Translated by: Sañjay Mohan Mittal

साराँश

इस सूक्त में प्रार्थना की गई है कि जैसे पृथ्वी सभी प्राणियों, वनस्पतियों, पर्वतों आदि को धारण कर पोषण देती है वैसे ही स्त्री का गर्भ स्थिर रहे और पूर्णावधि के बाद सामान्य विधि से जन्म ले।

Synopsis

This composition contains prayers for protection of the fetus and the normal delivery of the child. As Mother Earth holds and nourishes all beings, plants and mountains in its womb, so should a woman hold and nourish her fetus.

अथर्वा ऋषिः | गर्भदृंहणम् देवताः | अनुष्टुप छन्दः |

atharvaa ṛṣiḥ. garbhadṛiṇhaṇam devataaḥ. anuṣṭup Chhandah

यथेयं पृथिवी मही भूतानां गर्भमादधे ।

एवा ते ध्रियतां गर्भोऽनु सूतुं सवितवे ॥१॥

यथा इयम् पृथिवी मही भूतानाम् गर्भम् आदधे । एवा ते ध्रियताम् गर्भः अनु सूतुम् सवितवे ॥
(यथा) जैसे (इयम्) यह (मही) महान (पृथिवी) पृथ्वी सभी (भूतानाम्) प्राणियों को अपने (गर्भम्)
गर्भ में (आदधे) धारण करती है (एवा) वैसे ही (ते) तेरा (गर्भः) गर्भ भी (ध्रियताम्) स्थिर हो
और (सूतुम्) सूतक की विधि के (अनु) अनुसार (सवितवे) जन्म ले।

1. om yath-eyam prithivee mahee bhootaanaan garbham-aadadhe

evaa te dhriyataan garbho anu sootun savitave

(yath) As (eyam) this (mahee) great (prithivee) earth (aadadhe) holds and
nourishes all (bhootaanaan) living beings in its (garbham) womb, (evaa) similarly
may (te) your (garbho) pregnancy be (dhriyataan) stable and may your child be
(savitave) born (anu) as per the normal procedures of the (sootun) labor.

यथेयं पृथिवी मही दाधारेमान् वनस्पतीन् ।

एवा ते ध्रियतां गर्भोऽनु सूतुं सवितवे ॥२॥

यथा इयम् पृथिवी मही दाधार इमान् वनस्पतीन् । एवा ते ध्रियताम् गर्भः अनु सूतुम् सवितवे ॥
(यथा) जैसे (इयम्) यह (मही) महान (पृथिवी) पृथ्वी (इमान्) इन सभी (वनस्पतीन्) वनस्पतियों
को अपने गर्भ में (दाधार) धारण करती है (एवा) वैसे ही (ते) तेरा (गर्भः) गर्भ भी (ध्रियताम्)
स्थिर हो और (सूतुम्) सूतक की विधि के (अनु) अनुसार (सवितवे) जन्म ले।

2. om yath-eyam prithivee mahee daadhaar-emaan vanaspateen

evaa te dhriyataan garbho anu sootun savitave

(yath) As (eyam) this (mahee) great (prithivee) earth (daadhaar) holds and
nourishes all of (emaan) these (vanaspateen) plants and trees in its womb, (evaa)
similarly may (te) your (garbho) pregnancy be (dhriyataan) stable and may your
child be (savitave) born (anu) as per the normal procedures of the (sootun) labor.

यथेयं पृथिवी मही दाधार पर्वतान् गिरीन् ।
एवा ते ध्रियतां गर्भोऽनु सूतुं सवितवे ॥३॥

यथा इयम् पृथिवी मही दाधार पर्वतान् गिरीन् । एवा ते ध्रियताम् गर्भः अनु सूतुम् सवितवे ॥
(यथा) जैसे (इयम्) यह (मही) महान (पृथिवी) पृथ्वी (पर्वतान्) पर्वतों और (गिरीन्) शिखरों को
अपने गर्भ में (दाधार) धारण करती है (एवा) वैसे ही (ते) तेरा (गर्भः) गर्भ भी (ध्रियताम्) स्थिर
हो और (सूतुम्) सूतक की विधि के (अनु) अनुसार (सवितवे) जन्म ले।

3. om yatheyam prithivee mahee daadhaara parvataan gireen
evaa te dhriyataan garbho anu sootun savitave

(yath) As (eyam) this (mahee) great (prithivee) earth (daadhaar) holds all of
(parvataan) the hills and (gireen) mountain ranges in its womb, (evaa) similarly
may (te) your (garbho) pregnancy be (dhriyataan) stable and may your child be
(savitave) born (anu) as per the normal procedures of the (sootun) labor.

यथेयं पृथिवी मही दाधार विष्टितं जगत् ।
एवा ते ध्रियतां गर्भोऽनु सूतुं सवितवे ॥४॥

यथा इयम् पृथिवी मही दाधार विष्टितम् जगत् । एवा ते ध्रियताम् गर्भः अनु सूतुम् सवितवे ॥
(यथा) जैसे (इयम्) यह (मही) महान (पृथिवी) पृथ्वी (विष्टितम्) भाँति भाँति की (जगत्) चल
अचल वस्तुओं को अपने गर्भ में (दाधार) धारण करती है (एवा) वैसे ही (ते) तेरा (गर्भः) गर्भ
भी (ध्रियताम्) स्थिर हो और (सूतुम्) सूतक की विधि के (अनु) अनुसार (सवितवे) जन्म ले।

4. om yath-eyam prithivee mahee daadhaara viṣṭhitañ jagat
evaa te dhriyataan garbho anu sootun savitave

(yath) As (eyam) this (mahee) great (prithivee) earth (daadhaar) holds all of
(viṣṭhitañ) kind of (jagat) living and non-living things in its womb, (evaa) similarly
may (te) your (garbho) pregnancy be (dhriyataan) stable and may your child be
(savitave) born (anu) as per the normal procedures of the (sootun) labor.